Set 13-14

प्रश्न पत्र – द्वितीय / QUESTION PAPER – II

अनुक्रमांक / Roll No. (अंकों में / In figures) :

(शब्दों में / In Words) ....

....

विषय / Subject :

Philosophy

कोड / Code : **225**

A 2250089

Philosophy

225 **A**

विषय कोड बुकलेट सीरीज

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या /
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या /
Number of Questions in Booklet : 50

समय / Time : $1\frac{1}{4}$ घंटे / Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 100

INSTRUCTIONS

1. **Answer all questions.**
2. **All questions carry equal marks.**
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken the correct answer.
6. There will be no negative marking for wrong answer.
7. The candidate should ensure that Roll Number, Subject Code and Series Code on the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. The candidate will be allowed to carry the carbon print-out of OMR Response Sheet with them on conclusion of the examination.
10. **If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी सही उत्तर वाले गोले को काला करें ।
6. गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन नहीं किया जाएगा ।
7. प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुक्रमांक प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक पर समान रूप से विषय कोड एवं प्रश्न पुस्तिका की सीरीज अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न–पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न–पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. अभ्यर्थी अपने साथ उत्तर पत्रक की संलग्न कार्बन प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

1 According to Ravindranath Tagore the most important characteristic of the process of self realisation is -

(1) Renounciation and penance
(2) Worship of God
(3) Rājayoga and Samādhi
(4) Expansion of love to all the creatures and the whole universe

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार आत्मानुभूति की प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है ।

(1) संन्यास एवं तपश्चर्या
(2) ईश्वर की पूजा
(3) राजयोग एवं समाधि
(4) समस्त प्राणिजगत् व समस्त ब्रह्माण्ड तक प्रेम का विस्तार

2 Nietzche's philosophy is called -

(1) descriptivism
(2) prescriptivism
(3) antagonism
(4) existentialism

नीत्शे का दर्शन कहलाता है

(1) विवरणात्मक
(2) आदेशात्मक
(3) प्रतिरोधात्मक
(4) अस्तित्ववाद

3 According to Ryle, to think of team spirit as something existing independent of players is to commit a -

(1) Factual Mistake
(2) Breach of Rules
(3) Category mistake
(4) Fallacy of composition

राईल के अनुसार यह मानना कि 'टीमस्पिरिट' खिलाडियों से स्वतन्त्र को कोई सत्ता है, ... त्रुटि है ।

(1) तथ्यात्मक त्रुटि
(2) नियमों का उल्लंघन
(3) कोटि त्रुटि
(4) संग्रह दोष

4 Russell's theory of types tends to establish on

(1) there are no classes
(2) all classes can be reduced to one
(3) there is hierarchy in classes
(4) all relations are internal

रसेल का प्रारूपों का सिद्धान्त यह स्थापित करने का प्रयास है -

(1) कोई भी वर्ग नहीं है ।
(2) सभी वर्गों को एक वर्ग में घटित किया जा सकता है ।
(3) वर्गों में सोपान क्रम है ।
(4) सभी सम्बन्ध आन्तरिक है ।

5 The proposition basic to idealism which Moore refutes in detail is -

(1) *Cogito ergo sum*

(2) the thing-in-itself is non-empirical

(3) ideas are no less real than matter

(4) *esse est percipii*

मूर ने जिस-जिस विज्ञानवादी प्रतिज्ञप्ति का खण्डन किया है, वह है –

(1) चिन्तयामि, अतो अस्मि

(2) स्वयं में वस्तु अन-आनुभविक होती है

(3) विचार, पदार्थ से कतई कम वास्तविक नहीं होते

(4) दृश्यते इति वर्तते (दृष्टि ही सृष्टि है)

6 Who declared - "The real is rational and rational is real".

(1) Hume (2) Kant

(3) Hegal (4) Russell

किसने यह उद्घोष किया कि "सत् बौद्धिक है तथा बौद्धिक सत् है ।"

(1) ह्यूम (2) काण्ट

(3) हेगेल (4) रसेल

7 By 'innate ideas' is meant -

(1) the ideas that are inborn and product of experience

(2) the ideas that are inborn and not the products of experience

(3) the ideas that are not inborn but are the products of experience

(4) the ideas that are neither inborn not the products of experience

'सहज प्रत्ययों' का अर्थ है –

(1) जन्मजात प्रत्यय किन्तु आनुभविक है

(2) जन्मजात किन्तु आनुभविक प्रत्यय नहीं

(3) वे प्रत्यय जो जन्मजात न होकर आनुभविक होते हैं

(4) न तो जन्मजात, न ही आनुभविक प्रत्यय

8 Rational basis of induction was challenged by

(1) Descartes (2) Plato

(3) Hume (4) Kant

आगमन के तार्किक आधार को चुनौती दी

(1) देकार्त ने (2) प्लेटो ने

(3) ह्यूम ने (4) काण्ट ने

9 According to Leibnitz monads evolve in a way that is entirely dependent upon their –

(1) intrinsic nature (2) extrinsic nature

(3) surroundings (4) circumstances

लाईब्निज के अनुसार चिदणुओं का विकास पूर्णतः निर्भर करता है उनके –

(1) आन्तरिक स्वभाव पर (2) बाह्य स्वभाव पर

(3) उनके वातावरण पर (4) उनकी परिस्थितियों पर

10 According to Gandhi, the governing maxim of real Swarāja is -

(1) maximum happiness of maximum number of people

(2) *antyodaya*

(3) classless society

(4) *swatantratā*

गाँधीजी के अनुसार स्वराज का नियंत्रक सिद्धांत है –

(1) सर्वाधिक लोगों की सर्वाधिक प्रसन्नता

(2) अन्त्योदय

(3) वर्गविहीन समाज

(4) स्वतन्त्रता

11 Which of the following metaphor is **not** used by Sāṃkhya philosophers to explain the relation between Prakriti and Puruṣa -

(1) the dancer and the spectators (2) a blind and a lame

(3) milk and calf (4) a thing and its mirror impression

प्रकृति और पुरुष में सम्बन्ध की व्याख्या के लिए निम्नलिखित में से कौन–से एक रूपक का प्रयोग सांख्य दर्शन नहीं करता –

(1) नर्तक और दर्शक का (2) अंधे और लंगडे व्यक्तियों का

(3) दूध और बछड़े का (4) वस्तु और उसकी छवि का

12 According to Nyāya Upamāna is based on -

(1) knowledge by similarity

(2) knowledge of the relation of name and the named

(3) memory

(4) non-apprehension of distinction

न्याय के अनुसार उपमान आधारित है ।

(1) सादृश्य के ज्ञान पर (2) संज्ञा–संज्ञी सम्बन्ध के ज्ञान पर

(3) स्मृति पर (4) विवेकाग्रह पर

13 The author of "Being and Time" is -

(1) Kierkegaard (2) Husserl

(3) Sartre (4) Heidegger

'बीईंग एण्ड टाइम' के लेखक है –

(1) कीर्केगार्ड (2) हुस्सर्ल

(3) सार्त्र (4) हाइडेगर

14 Buddhist sautrāntika school holds -

(1) There is no reality at all

(2) External reality does not exist

(3) External reality exists but can not be known

(4) External reality exists and it can only be infered

सौत्रान्तिक बौद्ध मानते है कि –

(1) किसी भी प्रकार की सत्ता नहीं है ।

(2) बाह्य सत्ता का अस्तित्व नहीं है ।

(3) बाह्य सत्ता है, किन्तु उसका ज्ञान सम्भव नहीं है ।

(4) बाह्य सत्ता है, एवं केवल अनुमान का विषय है ।

15 Kants critical philosophy -

(1) Rejects the claims of Empiricism only

(2) Rejects the claims of Rationalism only

(3) Harmonists the claims of empiricism and rationalism

(4) Advocates skepticism

काण्ट का समीक्षात्मक दर्शन है ।

(1) केवल अनुभववाद के दावों का

(2) केवल बुद्धिवाद के दावों का

(3) बुद्धिवाद एवं अनुभववाद का समन्वय

(4) संशयवाद का समर्थन

16 Ontological Argument for the Existence of God was first propounded by

(1) St. Anselm (2) St. Augustine

(3) Descarte (4) St. Stephens

ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने के लिए सत्तामूलक युक्ति सर्वप्रथम प्रस्थापित की थी –

(1) संत अन्सेलम ने (2) संत ऑगष्टीन ने

(3) देकार्त ने (4) संत स्टीफन ने

17 According to Husserl -

(1) Objectlessness is the original nature of consciousness.

(2) Consciousness is always consciousness of something

(3) Consciousness constitutes its object

(4) Consciousness is a stream of experiences and any substential soul does not exist

हुस्सर्ल के अनुसार –

(1) चेतना अपने मूल स्वरूप में निर्विषयक है ।

(2) चेतना सदैव किसी विषय की चेतना है ।

(3) चेतना विषय संघटक होती है ।

(4) चेतना अनुभवों का प्रवाह मात्र है तथा किसी द्रव्य रूप आत्मा की सत्ता नहीं है ।

18 Which one of the following upholds that 'water is the ultimate reality of the universe' ?

(1) Thales (2) Heraclitus

(3) Anaximander (4) Anaximenes

'जल ही जगत् की परम वास्तविकता है' यह निम्नलिखित में से किस एक का मत है ?

(1) थेलिस का (2) हेरेक्लाईटस का

(3) अनाक्सिमाण्डर का (4) ऐनेक्जिमेनिज़ का

19 According to Nyaya liberated soul is essentially .....

(1) Conscious (2) Non conscious

(3) Related to senses (4) Material body

न्याय मतानुसार मुक्तात्मा मूलतः है .....

(1) चेतन (2) अचेतन

(3) इन्द्रियों से सम्बद्ध (4) भौतिक शरीर

20 In Yoga school the two kinds of *Samādhi* are called :

(1) *Samprajñāta* and *Asamprajñāta*

(2) *Sādhana* and *Sādhya*

(3) *Nirvikalpaka* and *Savikalpaka*

(4) *Anumiti* and *Upamiti*

योग दर्शन में दो प्रकार की समाधियाँ कहलाती हैं –

(1) संप्रज्ञात और असंप्रज्ञात (2) साधन और साध्य

(3) निर्विकल्पक और सविकल्पक (4) अनुमिति और उपमिति

21 Which one of the following is correctly matched ?

(1) Umasvāti - *Tattvārtha Sūtra*

(2) Śaṃkrāchārya - *Nyāya Sūtra*

(3) Mādhvāchārya - *Thirukural*

(4) Sri Aurobindo - *Art of Living*

निम्नलिखित में से कौन–सा एक सुमेलित है –

(1) उमास्वाति – तत्त्वार्थ सूत्र

(2) शंङ्कराचार्य – न्याय–सूत्र

(3) मध्वाचार्य – थिरुकुरल

(4) श्री अरविंद – आर्ट ऑफ लिविंग

22 In the context of Indian Philosophy a Nāstika Darśana is one which :

(1) does not believe in Vedas

(2) does not believe in God

(3) does not believe in Karmvāda

(4) does not believe in *Varṇaśramadharma*

भारतीय दर्शन के परिप्रेक्ष्य में नास्तिक दर्शन वह है जो –

(1) वेदों को नहीं मानता

(2) ईश्वर में विश्वास नहीं रखता

(3) कर्मवाद में विश्वास नहीं रखता

(4) वर्णाश्रमधर्म को नहीं मानता

23 Which of the following is not correctly matched ?

(1) Saṃkhya - Satkāryavāda (2) Nyaya - Ararmbhavāda

(3) Buddhism - Asatkāraṇavāda (4) Saṃkara - Pariṇāmavāda

निम्न में से कौन–सा युग्म सुमेलित नहीं है ?

(1) सांख्य – सत्कार्यवाद (2) न्याय – आरम्भवाद

(3) बौद्ध दर्शन – असत्कारणवाद (4) शंकर – परिणामवाद

24 According to Sāṃkhya the essential nature of Purusha is -

(1) Everliberated Sākshin (2) Always related with Prakriti

(3) Ignorant (4) An evoluate of Prakriti

सांख्य के अनुसार पुरुष सत्त्वतः है –

(1) नित्यमुक्त साक्षी (2) प्रकृति से सर्वदा सम्बद्ध

(3) अज्ञानी (4) प्रकृति की एक विकृति

25 Pratītyasamutpāda implies -

(1) Things have no origination

(2) Things have dependend origination

(3) Things do not change

(4) Things have independent origination

प्रतीत्यसमुत्पाद में अन्तर्निहित है –

(1) शाश्वतवाद

(2) प्रत्येक वस्तु का अस्तित्व कारण सापेक्ष है

(3) वस्तुएँ अपरिवर्तनशील है

(4) वस्तुएँ स्वतन्त्र कारणों से उत्पन्न है

26 Vishishtādvaita maintains that the ultimate reality is -

(1) pure consciousness

(2) material

(3) organic unity of *cit* and *acit*

(4) manifold only

विशिष्टाद्वैत के अनुसार परम सत्ता है –

(1) शुद्ध चेतना

(2) भौतिक तत्त्व

(3) चित् एवं अचित् का आङ्गिक एकत्व

(4) बहुलवादी

27 Advaitins theory of illusion is known as -

(1) *Satkhyātivāda* (2) *Anirvachaniya Khyātivāda*

(3) *Akhyātivāda* (4) *Viparīta Khyātivāda*

अद्वैत दर्शन में भ्रम का सिद्धांत कहलाता है –

(1) सत्ख्यातिवाद (2) अनिर्वचनीय ख्यातिवाद

(3) अख्यातिवाद (4) विपरीत ख्यातिवाद

28 Which one of the following is not accepted as *padārtha* by the Vaiśeṣikas ?

(1) *Guṇa* (2) *Karma*

(3) *Sāmānya* (4) *Jada*

वैशेषिक – दर्शन में निम्नलिखित में से कौन–सा एक पदार्थ के रूप में मान्य नहीं है ?

(1) गुण (2) कर्म

(3) सामान्य (4) जड़

29 Aurobindo's theory of evolution is known as :

(1) integral advaita theory (2) logical theory

(3) biological theory (4) humanistic theory

अरविन्द का विकासवादी सिद्धान्त कहलाता है –

(1) समग्र अद्वैत सिद्धान्त (2) तार्किक सिद्धान्त

(3) जैविक सिद्धान्त (4) मानववादी सिद्धान्त

30 Charvākas rejects .....

(1) Naturalism (2) Materialism

(3) Karmavāda (4) Moral ends

चार्वाक अस्वीकार करता है .....

(1) प्रकृतिवाद (2) जड़वाद

(3) कर्मवाद (4) नैतिक साध्य

31 Mīmāṃsā believes in the .....

(1) Extrinsic validity of knowledge

(2) Intrinsic validity of knowledge

(3) Intrinsic invalidity of knowledge

(4) Impossibility of knowledge

मीमांसा दर्शन मानता है .....

(1) ज्ञान का परतः प्रामाण्य

(2) ज्ञान का स्वतः प्रामाण्य

(3) ज्ञान का स्वतः अप्रामाण्य

(4) ज्ञान की असम्भाव्यता

32 Which one of the following Philosophical schools does not accept the existence of God ?

(1) Nyāya (2) Yoga

(3) Mīmāṃsā (4) Viśiṣṭādvaita

निम्नलिखित में से कौन–सा एक दर्शन ईश्वर की सत्ता में विश्वास नहीं रखता ?

(1) न्याय (2) योग

(3) मीमांसा (4) विशिष्टाद्वैत

33 Syādvāda is essentially .....

(1) a linguistic theory (2) a metaphysical theory

(3) an ethical theory (4) a religious theory

स्याद्वाद मूलतः एक .....

(1) भाषा दर्शन का सिद्धान्त है (2) तत्त्वमीमांसीय सिद्धान्त है

(3) नैतिक सिद्धान्त है (4) धार्मिक सिद्धान्त है

34 According to Radhakrishnan, the foundation of social structure should be

(1) material (2) individualistic

(3) spiritual (4) political

राधाकृष्णन् के अनुसार सामाजिक संरचना का आधार होना चाहिये –

(1) भौतिक (2) वैयक्तिक

(3) आध्यात्मिक (4) राजनैतिक

35 The Pancha Mahāvratas according to Jainism are -

(1) Satya, Ahiṃsa, Jñan, Aparigraha, Brahmacharya

(2) Dharma, Ahiṃsa, Asteya, Aparigraha, Brahmacharya

(3) Satya, Viveka, Asteya, Aparigraha, Brahmacharya

(4) Satya, Ahiṃsa, Asteya, Aparigraha, Brahmacharya

जैन दर्शन के पंचमहाव्रत है –

(1) सत्य, अहिंसा, ज्ञान, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

(2) धर्म, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

(3) सत्य, विवेक, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

(4) सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

36 Which one of the followng pairs of *puruṣārthas* is accepted by Cārvākas ?

(1) *Artha* and *Kāma* (2) *Mokṣa* and *Artha*

(3) *Dharma* and *Mokṣa* (4) *Kāma* and *Mokṣa*

चार्वाक दर्शन में कौन–सा पुरुषार्थ युग्म स्वीकृत है ?

(1) अर्थ और काम (2) मोक्ष और अर्थ

(3) धर्म और मोक्ष (4) काम और मोक्ष

37 Nishkāma karma implies -

(1) renunciation of action

(2) renunciation of home and family

(3) renunciation of the world

(4) renunciation of the desire for the fruits of action

निष्काम कर्म में निहित है –

(1) कर्म का परित्याग

(2) घर और परिवार का परित्याग

(3) जगत् का परित्याग

(4) कर्मफल की इच्छा का परित्याग

38 Dharma, according to Gīta is :

(1) fight for one's rights

(2) devotion of God

(3) observance of obligation to one's family

(4) To perform svadharma according to varṇāshrama

गीता के अनुसार धर्म है –

(1) अपने अधिकारों के लिए संघर्ष

(2) ईश्वर की भक्ति

(3) अपने परिवार के प्रति कर्तव्य पालन

(4) वर्णाश्रम के अनुसार स्वधर्म का पालन

39 Which one of the following schools does not accept the possibility of *Jivanmukti* ?

(1) Buddhism (2) Advaita vedānta

(3) Sāṃkhya (4) Viśiṣṭādvaita

निम्नलिखित में से कौन–सा एक दर्शन जीवन्मुक्ति की संभावना को स्वीकार नहीं करता ?

(1) बौद्ध (2) अद्वैत वेदान्त

(3) सांख्य (4) विशिष्टाद्वैत

40 'Trivarga' refers to :

(1) Dharma, Artha and Mokṣa

(2) Dharma, Kāma and Mokṣa

(3) Dharma, Artha and Kāma

(4) Kāma, Artha and Mokṣa

त्रिवर्ग का अर्थ है –

(1) धर्म, अर्थ और मोक्ष

(2) धर्म, काम, और मोक्ष

(3) धर्म, अर्थ और काम

(4) काम, अर्थ और मोक्ष

41 According to Vaiśeṣika school the samavāyi kāraṇa of 'effect Ghaṭa' is –

(1) Soil

(2) Conjunction of different soil particle

(3) Potter and his tools

(4) God

वैशेषिक दर्शन के अनुसार घट रूप कार्य का समवायी कारण है –

(1) मृतिका

(2) विभिन्न मृतिका कणों के मध्य संयोग सम्बन्ध

(3) कुम्हार और उसके औजार

(4) ईश्वर

42 Anyonyābhāva is -

(1) One thing is related to another thing

(2) Destruction of a thing after another thing

(3) One thing is not the another thing

(4) Production of one thing after another thing

वैशेषिक के अनुसार अन्योन्याभाव है –

(1) एक वस्तु का दूसरी वस्तु से सम्बन्ध होना

(2) एक के बाद दूसरी वस्तु का नष्ट होना

(3) एक वस्तु का दूसरी वस्तु नहीं होना

(4) एक के बाद दूसरी वस्तु का उत्पन्न होना

43 Who holds the view : "My station and its duties alone embody my morality" ?

(1) Socrates (2) Bradley

(3) Kant (4) Mill

यह किसका मत है कि ''मेरा स्थान और उसके कर्तव्यों द्वारा ही मेरी नैतिकता निर्धारित होती है'' ?

(1) सुकरात (2) ब्रेडले

(3) काण्ट (4) मिल

44 Obligation towards environment are embodied in the concept of -

(1) Deva-ṛṇa (2) Pitṛ-ṛṇa

(3) Ṛiṣi-ṛṇa (4) Mātṛ-ṛṇa

पर्यावरण के प्रति दायित्व सम्मिलित है --

(1) देव–ऋण में (2) पितृ–ऋण में

(3) ऋषि–ऋण में (4) मातृ–ऋण में

45 The state of Turiyavāsthā is not -

(1) Absence of conciousness

(2) Absence of world

(3) Absence of Knowledge of world

(4) Absence of ego

तुरीयावस्था में नही होता है ।

(1) चेतना का लोप

(2) जगत् का लोप

(3) जगत् के ज्ञान का लोप

(4) अहंकार का लोप

46 One of the ways of annihilating caste system suggested by Ambedkar was -

(1) establishing inter-caste dialogue

(2) removing untouchability

(3) propagation of inter-caste marriages

(4) co-dining

अम्बेडकर द्वारा जाति प्रथा को समाप्त करने का एक मार्ग है –

(1) अन्तर जातीय संवाद

(2) अस्पृश्यता निवारण

(3) अन्तर जातीय विवाहों को बढ़ावा देना

(4) सामूहिक भोज

47 The law of *karma* does not presuppose the existence of God in :

(1) Nyaya - vaiśeṣika (2) Viśiṣṭadvaita

(3) Chārvāka (4) Sāṃkhya

निम्नलिखित में से किस एक दर्शन सम्प्रदाय में कर्म–सिद्धान्त के लिये ईश्वर की सत्ता की पूर्वकल्पना नहीं की जाती –

(1) न्याय वैशेषिक में (2) विशिष्टाद्वैत में

(3) चार्वाक में (4) सांख्य में

48 'Ṛta' is

(1) Cycle of seasons (2) Rituals of vedic people

(3) Cosmic law (4) A vedic god

"ऋत" है

(1) ऋतु चक्र (2) वैदिक लोगों का कर्मकाण्ड

(3) ब्रह्माण्डीय नियम (4) एक वैदिक देवता

49 Who is the author of *Nichomachean Ethics* ?

(1) Aristotle

(2) Plato

(3) Pythagorus

(4) Nicholas

'निकोमैकियन एथिक्स' नामक पुस्तक के लेखक कौन है ?

(1) अरस्तू

(2) प्लेटो

(3) पायथेगोरस

(4) निकोलस

50 Pierce understands pragmatism as :

(1) cash-value

(2) a theory of meaning

(3) warranted assertability

(4) A theory of moral action

प्रयोजनवाद से पीयर्स का अर्थ है –

(1) लाभ उठाना

(2) शब्दार्थ का सिद्धान्त

(3) न्यायसंगत दावा

(4) नैतिक कर्म का सिद्धान्त

SPACE FOR ROUGH WORK / कच्चे काम के लिये जगह